प्रातः क्लास 16-12-68 ओमशान्ति पिताश्री शिव बाबा याद है?

ओमशान्ति। यह तो रूहानी बच्चे जानते हैं कि बाप आये हैं हमकोनई दुनिया का वरसा देने। यह तो बच्चों को पक्का है ना। जितना हम बाप को याद करेंगे उतना ही पवित्र बनेंगे। जितना हम अच्छा टीचर बनेंगे उतना ही हम ऊंच पद पावेंगे। क्योंकि आपस में भाई2 हो। टीचर के रूप में पढ़ाना भी सीखते हो। तुम को फिर औरों को पढ़ाना भी जरूर है। क्योंकि तुमपढ़ाने वाले टीचर जरूर बनते हो। बाकी तुम किसका गुरु नहीं बन सकते हो। सिर्फ टीचर बन सकते हो। गुरु तो एक ही सदगुरु है वही सिखाते हैं। सर्व का सद्गुरु एक ही है। वह टीचर बनाते हैं। तुम सभी को पढ़ाते रास्ता बताते रहो मन्मनाभव का। बाप ने तुम्हारे पर डियुटी रखी है। मुझे याद करते रहो। और फिर टीचर भी बनो। तुम किसको बाप का परिचय देते हो तो उनका भी फर्ज है बाप को याद करना। टीचर रूप में सृष्टिचक्र की नालेज देनी पड़ती है। बाप को तो जरूर याद करना पड़े। बाप की याद से ही पाप मिट जाने है। बच्चे जानते हैं हम पापात्मा हैं। इसलिय बाप सभी को कहते हैं अपने को आत्मा समझ बाप को याद करते रहो तो तुम्हारे पाप मिट जावेंगे। युक्ति बताते हैं मीठे बच्चे तुम्हारी आत्मा पतित बनी है जिस कारण शरीर भी पतित बना है। पहले तुम पवित्र थे अभी अपवित्र बने हो। अभी पतित से पावन होने की युक्ति तो बहुत ही सहज बताते हैं। बाप को याद करो तो तुम पवित्र बन जावेंगे। उठते-बैठते चलते बाप को याद करो। वह लोग तो गंगा स्नान करते हैं तो गंगा को याद करते हैं, समझते हैं वह पतित-पावनी है। गंगा को याद करने से पावन बन जाना है। परन्तु बाप कहते हैं कोई भी पावन बन नहीं सकते। पानी से कैसे पावन बनेंगे। बाप कहते हैं मैं पतित पावन हूं। हे बच्चों देह सहित देह के सभी धर्मों को छोड़ मुझे याद करने से तुम पावन बन जावेंगे फिर से अपने घर मुक्तिधाम पहूंच जावेंगे। जो भी मनुष्य मात्र हैं उनके लिये यह महामंत्र है। इनसे तुम अपने घर पहुंच जावेंगे। सारा कल्प घर को भूले हो। बाप को सारा कल्प कोई जानता ही नहीं। एक ही बार बाप खुद आकर अपना परिचय देते हैं इस मुख द्वारा। इस मुख की कितनी महिमा है। गऊमुख कहते हैं ना। वह गऊ तो जानवर है। यह है मनुष्य की बात। तुम जानते हो यह बड़ी माता है। जिस माता द्वारा शिव बाबा तुम सभी को एडाप्ट करते हैं। तुम अभी बाबा कहने लग पड़े हो। बाप भी कहते हैं इस याद की यात्रा से ही तुम्हारे पाप भी कट जानी है। बच्चों को बाप याद पड़ जाता है ना। उनकी सिकल आदि दिल पर बैठ जाती है। तुम बच्चे जानते हो जैसे हम आत्मा हैं वैसे वह परम आत्मा है। सिकल में और कोई फर्क नहीं हैं। शरीर के सम्बन्ध में तो फिचर्स आदि अलग2 होते हैं। बाकी आत्मा तो एक ही है। जैसे आत्मा हमारी है वैसे बाप भी परमआत्मा है। तुम बच्चे जानते हो बाप परमधाम में रहते हैं। हम भी परमधाम में रहते हैं। बाबा की आत्मा और और हमारी आत्मा में कोई फर्क नहीं है। वह भी बिन्दी है हम भी बिन्दी हैं। यह ज्ञान और कोई को नहीं हैं। तुमको भी बाप ने बताया है। बाप के लिये भी क्या2 कह देते हैं। सर्वव्यापी है, पत्थर भित्तर में है जिसको जो आता है वह कह देते हैं। ड्रामा प्लेनअनुसार भक्ति मार्ग में बाप के नाम रूप देश-काल को भूल जाते हैं, तुम भी भूल जाते हो। बच्चा बाप को भूल जाता है तो बाकी क्या जानेंगे। गोया निधनके हो गये। धणी को याद करते ही नहीं हैं। धणी के पार्ट को ही नहीं जानते हैं। अपने को भी भूल जाते हैं। बाप को भी भूल जाते हैं तो सृष्टि के आदि मध्य अन्त को भी भूल जाते हैं। अभी तुम अच्छी रीत जानते हो बराबर हम भूल गये थे। जानवर मिसल/वन गये थे। हम तो पहले ऐसे देवी देवता थे। अभी जानवर से भी बदतर हो पड़े हैं। मुख्य बात तो हम अपनी आत्मा को भी भूल गये हैं। तो बाप को भी भूल गये हैं। अभी रीयलाईज कौन करावे। कोई भी जीवात्मा को यह पता नहीं होगा कि हम आत्मा क्या हैं, कैसे सारा पार्ट बजाती हैं। हम सभी भाई2 हैं। यह ज्ञान और कोई में भी नहीं है। इस समय सारी सृष्टि ही तमोप्रधान हो चुकी हैं। ज्ञान नहीं है, ग्लानी है। तुम्हारे में अभी ज्ञान है तो ग्लानी बन्द हो गई है। बुद्धि में आया हम आत्मा इतना समय बाप की ग्लानी करते आये ग्लानी करने से दूर होते जाते हैं हम आत्माओंने बाप की बहुत ग्लानी की है ड्रामा के प्लेन अनुसार इसलिये सीढ़ी नीचे उतरते गये हैं। यह

समझ अभी बुधि में आई है फिर कब कोई फालतू प्रश्न पूछ नहीं सके हैं। भूल बात हो जाती है बाप को याद करने की। बाप और कोई तकलीफ नहीं देते हैं। सिर्फ बाप को याद करने की तकलीफ है। बाप कब बच्चों को कोई तकलीफ दे सकते हैं क्या। लो नहीं कहता। बाप कहते हैं मैं कोई भी तकलीफ नहीं देता हूं। कुछ भी प्रश्न आदि पूछते हैं कहता हूं इन बातों में टाईम वेस्ट क्यों करते हो। बाप को याद करो। मैं आया हूं तुमको ले जाने। इसलिये तुम बच्चों को याद की यात्रा से पावन बनना है। बस। मैं ही पतित पावन बाप हूं। मुख से कहता हूं एक ही बात। एक ही बात से तुम्हारा बेड़ा पार हो जाता है। प्रश्न उत्तर में क्यों टाईम वेस्ट करते हो। बाप युक्ति बताते हैं कहां भी जाओ बाप को याद करना है। तो पाप कट जायें। 84 का राज भी बाप ने समझाया दिया है। मुझे याद करो। जिसके लिये ही बुलाया है। अभी यह अपनी जांच करनी है हम कहां तक बाप को याद करते हैं। बस और कोई तरफ का विचार नहीं करना है। यह तो बहुत सहज है बाप को याद करना। बच्चा थोड़ा बड़ा होता है तो आटोमेटकली मां बाप को याद करने लग पड़ते हैं। तुम भी समझो हम आत्मा बाप के बच्चे हैं। याद क्यों करना पड़ता है क्योंकि हमारे ऊपर जो पाप चढ़े हुये हैं वह इस याद से ही खत्म होंगे। इसलिये ज्ञान भी एकगायन भी है एक सेकण्ड में जीवनमुक्ति। जीवनमुक्ति पढ़ाई पर मदार रखती है। जितना तुम बाप को याद करेंगे उतना ही ऊंच पम्बर का मर्तबा पावेंगे। धंधा आदि तो भल करो बाप कोई मना नहीं करते हैं। धंधा आदि जो तुम करते हो वह भी दिन रात याद रहता है ना। तो बाप अभी यह रूहानी धंधा देते हैं अपने को आत्मा समझ मुझे याद करो। और 84 के चक्र को याद करो। मुझे याद करने से ही तुम सतोप्रधान बनेंगे। यह भी समझते हो अभी पुराना चोला है फिर सतोप्रधान नया चोला मिलेगा। अपने पास बुधि में तन्त रखना है जिससे बहुत फायदा होना है। जैसे स्कूल में सबजेक्ट तो बहुत होती हैं फिर भी ईगलिश पर नम्बर अच्छे होते हैं। क्योंकि ईगलिश भी है पहले भाषा। उन्हों का पहले राज्य था इसलिये वह जास्ती चलती है। अभीभी भारतवासी कर्जदार हैं। भल कोई कितने भी धनवान हैं परन्तु बुधि में यह तो है ना हमारे राज्य के जो हेड्स हैं वह कर्जदार हैं। गोया हम भारतवासी कर्जदार है। रईस जरूर कहेंगे ना हम कर्जदार हैं। यह भी समझ चाहिए ना। जब कि तुम राजाई स्थापन कर रहे हो। तुम जानते हो हम अभी इन सब कर्ज आदि से छूटकर सालवेन्ट बनते हैं। फिर आधा कल्प हम कोई से भी कर्जा उठाने वाले नहीं हैं। कर्जदार पतित दुनिया के मालिक हैं। अभी हम कर्जदार भी है पतित दुनिया के मालिक हैं। हमारा भारत ऐसा है गाते हैं ना। तुम बच्चे जानते हो हम बहुत साहुकार थे परिजाद परिजादियां थे। यह याद रहता है हम ऐसे विश्व के मालिक थे। अभी बिल्कुल कर्जदार और डर्टी भी बन गये हैं। यह खेल का रिजल्ट बाप बता रहे हैं। रिजल्ट क्या हुई है तुम बच्चों को अभी स्मृति में है। सतयुग में हम कितने साहुकार थे। किसने तुमको साहुकार बनाया? बच्चे कहेंगे बाबा आप ने हमको इतना साहुकार बनाया था। एक बाप ही साहुकार बनाने वाला है। दुनिया इन बातों को नहीं जानती है। लाखों वर्ष कह देने से सभी भूल गये हैं। कुछ नहीं जानते हैं। तुम अभी सभी कुछ जान गये हो। हम पदमा पदम साहुकार थे। बहुत पवित्र सुखी थे। वहां झूठ पाप आदि कुछ होता नहीं। सारे विश्व पर तुम्हारी जीत थी। गायन भी है शिव बाबा आप जो देते हो और कोई दे नहीं सकता कोई की ताकत नहीं जो आधा कल्प का सुख दे सके। बाप कहते हैं भक्ति मार्ग में भी तुमको बहुत सुख, अथाह धन रहता है। कितने हीरे जवाहर आदि रहते हैं जो फिर पिछाड़ी वालों के हाथ आते हैं। अभी तो वह चीज देखने में भी नहीं आती। तुम फर्क देखते हो ना। तुम ही पूज्य देवी देवता थे। फिर तुम्हीं पुजारी बने हो। आपेंही पूज्य, ... तुम ही पूज्य से फिर पूजारी बन जाते हो। बाप कोई पुजारी नहीं बनते हैं। परन्तु पुजारी दुनिया में तो आते हैं ना। बाप तो सदा पूज्य है। वह कब पुजारी होता नहीं। उनका धंधा है तुमको पुजारी से पूज्य बनाना। रावण का काम है तुम को पूजारी बनाना। यह दुनिया में किसको भी पता नहीं हैं। तुम भी भूल जाते हो। रोज2 बाप समझाते रहते। बाप के हाथ में है चाहे किसको साहुकार बनावे चाहे गरीब बनावे। बाप कहते हैं जो साहुकार है उन्हों को गरीब जरूर बनाता हूं। बनेंगे ही। उन्हों का पार्ट ऐसा है। कब ठहर न सकें। धनवान को अहंकार बहुत

१६-१२-६२

है। मैं फ्लाना हूं, यह यह हमकी है। घमंड तोड़ने लिये बाबा कहते हैं यह जब आवेंगे कुछ देने लिये तो बाबा कहेंगे दरकार नहीं हैं। यह अपने पास रखो। जब जरूरत होगी तो फिर ले लेंगे। क्योंकि देखते हैं काम का नहीं है अपना घमंड है। थोड़े रोज में तुम देखेंगे। कुछ भी ले आवेंगे उनकी चलन देखे कहेंगे अच्छा अपने पास रख दो। देखेंगे लायक है तो साहुकार बना देंगे लायक न है तोकहेंगे दरकार नहीं हैं। वन्डर खावेंगे ऐसे क्यों करते हैं। और चाहिए ही नहीं। फेंक जाओ, हमारे काम में नहीं आवेंगे। बाबाके पास इस समय भी कोईभटके हुये आ जाते हैं। बाप जो इतना ऊंच बनाते हैं ऐसे बाप को धोखा दे फिर आ जाते हैं तो कहेंगे यह ट्रेटर बना था। धोखा दिया था। इनका कुछ भीलेना न है। भल यह गरीबबने। ऐसे2 जिनको अपना अहंकार रहता है था मनहुस रहते थे। कहेंगे मनहुस की दरकार नहीं। बाबा के हाथ में है ना। लेना वा न लेना। बाबा पैसे क्या करेंगे। दरकार ही नहीं। यह तो तुम बच्चों के लिये मकान बन रही हैं। 2-4 वर्ष की बाद तो प्रवाह ही नहीं। आकर बाबासे मिलकर ही जाना है। सदैव तो रहना ही नहीं है। पैसे की क्या दरकार रहेगी। कोई लश्कर वा तोपें आदि तो नहीं चाहिए। तुम विश्व के मालिक बनते हो। अभी युध के मैदान में हो। सिवाय बाप को यादकरने के और कुछ तुम नहीं करते हो। बाप ने फरमान किया है मुझे याद करो तो इतनी शक्ति मिलेगी। यह तुम्हारा धर्म बहुत सुख देने वाला है। बाप है सर्वशक्तिवान। तुम उनके बनते हो। सारा मदार याद की यात्रा पर है। यहां तुम सुनते हो फिर उस पर मथन चलता है। जैसे गाय घास खाती है फिर उगाली करती है। मुख चलता ही रहता है। तुम बच्चों को भी कहते हैं ज्ञान की बातों पर खुद विचार करो। बाबा से हम क्या पूछें। बाप तो कहते हैं मनमनाभव जिससे ही हम सतोप्रधान बनते हैं। यह एकआबजेक्ट सामने है। उन्हों की महिमा तो तुम जानते हो। सर्वगुण सम्पन्न ... यह आटोमेटकली अन्दर में आना चाहिए। कोई की ग्लानी वा पापकर्म कुछ भी न हो। यह याद करो। कोई भी तुमको उल्टा कर्म न करना है। नम्बरवन हैं यह देवी देवताएं। पुरुषार्थ से ही ऊंच पद पाया है ना। इन्हों के लिये ही गाया जाता है अहिंसा परमोधर्म देवी देवताकिसको मारना भी हिंसा है ना। बाप समझाते हैं तो फिर बच्चों को अन्तर्मुख हो अपने को देखना है हम ऐसे बने हैं। बाबा को याद करते हैं। कितना समय हम याद करते हैं। इतनी दिल गल जाये कब भूले ही नहीं। कोई की आपस में मेल की फिमेल के साथ वा फिमेल की फिमेल के साथ वा मेल के मेल के साथ दिल लग जाती है तो बात मतपूछो। भूलते ही नहीं हैं। लैला मंजनु, हीरा रांझु का मिसाल है ना। सिर्फ एक दो को देखते हैं। और कोई ईच्छा नहीं। बैठे उनको याद करते रहो। बस वह सामने खड़ा हो जावेगा। बाबा तो अनुभवी है ना। अभी बेहद का बाप कहते हैं तुम सभी आत्माएं मेरे सन्तान हो। सो भी तुम अनादि सन्तान हो। वह है उन्हों की जिस्मानी याद। तुम्हारी तो है रूहानी। वह सिर्फ एक दो को शरीर को याद करते हैं। औरवहसामने खड़े हो जाते हैं। जैसे सा० होता है फिर गुम हो जाता। वैसे वह भी सामने आ जाते हैं उसी खुशी में ही खाते-पीते याद करतेहते हैं। तुम्हारी इस याद में बहुत बल हैं। एक बाप को ही याद करते रहो। और तुमको अपना भविष्य भी याद आवेगा। विनाश सा० भी होगा। आगे चलकर जल्दी2 विनाश का सा० होगा। फिर सभी को तुम कह सकेंगे अभी विनाश होता है। बाप को याद करो। बाबा ने भी सभी कुछ छोड़ दिया ना। कुछ भी पिछाड़ी में याद न आये। हम तो अभी अपनी राजधानी में चले। नई दुनिया में तो जरूर जाना ही है। योगबल से सभी पापों को भस्म करना हैं। इसमें ही मेहनत करनी है। बड़ी मेहनत है। घड़ी2 बाप को भूल जाते हैं। क्योंकि यह बड़ी महीन चीजें हैं। मिसाल जो देते हैं सर्प का भ्रमरी का वह सभी इस समय के हैं। भ्रमरी कमाल करती है ना। उन से तुम्हारी कमाल जास्ती है। वह तो जानवर है। उनकी कमाल दिखलाते हैं विष्टा के कीड़ों को कैसे आप समान बनाती हैं। तुम भी ब्राह्मण हो। बाकी सभी मनुष्य हैं विष्टा के कीड़े। बाप को भूले हुये हैं। पतित कीड़े मनुष्य को तुम देवता बनाते हो। बाबा लिखते हैं ना ज्ञान की भूं2 करते रहो। आखरीन जाग पड़ेंगे। जावेंगे कहां। तुम्हारे पास ही आते जावेंगे। एड होते जावेंगे तुम्हारा नामाचार होता जावेगा। अभी तो तुम थोड़े हो ना। आर्यसमाजियों का दयानन्द भी पहले अकेला था। फिर बाद में वृधि हुई है। बहुतों को आप समान बनाना होगा। फिर वा

आदि निकली होगी। शास्त्र तो पीछे बनते हैं। ग्रन्थ के पहले वाणी हाथ से लिखी हुई थी। फिर बहुत सिक्ख लोग हुये होंगे तब ग्रन्थ बनाया है। पढ़ने वाले भी जब इतने हो ना। बाबा को अनुभव है। ग्रन्थ उठाकर रखते थे। पहले हाथ के अक्षर थे। फिर छपे का बना है। एडीशन होते होते कितना बड़ा हो गया है। गीता तो उनसे भी छोटी लाकेट मिसल बनाते हैं। वास्तव में है तो वह भी नहीं। गले में पहनने की चीज़ ही नहीं। कुछ भी तुमको पढ़ने का नहीं है। सिर्फ बाप को याद करना है। अजपा याद इसको कहा जाता है याद की यात्रा। आवाज की भी दरकार नहीं। दिल में याद करो। जैसे मैं बीज रूप हूं मेरे में सारी झाड़ की नालेज है। तुम्हारे में भी सारे झाड़ की नालेज होनी चाहिए। सारा चक्र भी बुद्धि में आ जाता है। झाड़ भी आ जाता है। कितना सहज है। बाप से सेकण्ड में मुक्ति जीवनमुक्ति दोनों ही मिलती हैं। और सभी को मिलनी है। बाबा कहते हैं सभी आयेंगे अखबारों द्वारा। सभी जागेंगे। उन्हों का ऐसा प्रबन्ध है। अखबार तो सभी जगह जाती हैं ना। तो तुम्हारा आवाज भी सारे भारत में होगा। अभी तुम सन्यासियों को भी नहीं जीत सकते हो। अभी ही रीवलेशन हो जाये। सभी मनुष्य तुम्हारे पास आकर गिरें। बाप में कशिश तो बहुत होती है ना। सतोप्रधान प्युर बन जाते हैं। तो पावर खेंचती हैं। चकमक के सामने जैसे सुई रखी जाती है तो खेंच लेती है। अभी तुमको कितनी शक्ति मिलती है। तुम जानते हो बाप को याद करते2 हम जाकर विश्व का मालिक बनेंगे। ब्रह्मण की वृधि को पाते रहेंगे। जब बहुत बहुत हो जावेंगे फिर तुम्हारा आवाज होगा। मुख्य बात तो यह पक्की रखनी है। बाप के सिवाय और कोई की याद न आये। देह भी याद न आये। अपने को आत्मा समझो तो तुम पावन बनकर अपने घर शान्तिधाम चले जावेंगे। इस याद का नाम यात्रा ठीक रखा हुआ है। दो प्रकार का योग होता है यह तुम जानते हो। भारत का प्राचीन राजयोग कौन सा था यह कोई भी नहीं जानते। सन्यासी तो हैं हठयोगी। निवृति मार्ग वाले। वह राज योग सिखला कैसे सकते हैं। प्रवृति मार्ग कैसे स्थापन कर सकते। वह धर्म ही अलग है। वह तो बाद में आते हैं। वह प्रवृति मार्ग का राजयोग सिखला न सकें। निवृति मार्ग प्रवृति मार्ग का भी उनको पता नहीं पड़ता है। कितने हठयोग आदि सिखलाते हैं। वह सभी हैं शरीर के तन्दुरुस्ती के लिये। हठयोगी ऐसे करते हैं जैसे कि पहलवान बन जाते हैं। तुमको वह नहीं करना है। हठयोग में अनेक प्रकार की ड्रील आदि सीखते हैं। यह तो तुम को उठते बैठते चलते बाप को याद करना है। बहुतों को साक्षात्कार भी होता रहेगा। कहां2 के राजाएं होंगे वहां भी साक्षात्कार होगा। वहां भी राजाओं के ड्रेस भिन्न2 होते हैं जो पास्ट हुआ वह फिर रिपीट होगा। बाप कहते हैं रूहानी बच्चों मुझ बाप को याद करो तो तुम्हारे पाप कट जावेंगे। खाद निकल जावेगी। योगबल से ही तुम विश्व का मालिक बन सकते हो। वह दोनों अगर मिल जाये तो विश्व पर राज्य कर सकते हैं। परन्तु ऐसा नहीं कहते। वह लोग भी कहते हैं वह दोनों चाहे तो शांति करें चाहे तो विनाश करें। है तो दोनों आपस में भाई2 परन्तु उन्हों को आपस में मिलने का नहीं है। अगर दोनों आपस में मिल जाये तो दोनों कहें हम विश्व पर राजाई करते हैं बम्स लेकर रेडियो वा टेलीविजन पर जबर दे हम विजय पाते हैं सफेद झंडा उठाओ नहीं तो मारे जावेंगे। खुदादोस्त की भी कहानी है ना। है भी अभी की बात। तुमको एक सेकण्ड में राजाई मिलती है। 21 जन्मों का सुख मिलता है। तुम बच्चे कितनी मीठी2 बातें सुनते हो। फिर ऊंच पद पाने लिये यह पुरुषार्थ करना है। एक तो याद करो। दूसरा फिर आप समान बनाकर औरों को रास्ता बताओ। अंधों की लाठी बनना है। बोलो अपने को आत्मा समझ बाप को याद करो। तो स्वर्ग में पहुंच जावेंगे। अंधा अर्थात ज्ञान नहीं है। तुम फील करते हो हम भी अंधे थे। बाप को जानते ही नहीं थे। तो देखने की भी बात दूर रही। तो अभी बच्चों को अन्तर्मुख होना है बाप को याद करना है तो पाप कट जायें। माया बड़ी कड़ी है। सरण और बाज होता है ना। बाज तो बहुत ताकत वाला तीखा होता है। ऐसे तीखे जानवर को भी हाथ कर लेते हैं। शेरों को भी हाथ कर आजकल जीप में घूमाते हैं। हमारा इन सभी बातों से कोई कनेक्शन नहीं है। अच्छा रूहानी बच्चों को रूहानी बाप दादा का याद प्यार गुडमार्निंग और रूहानी बच्चों को रूहानी बाप का नमस्ते।